इंद्रप्रस्थ गैस कंपनी के कर्मचारियों ने गैस लाइन डालने के चलते तोड़ी पेयजल सप्लाई की लाइन

सात दिन में तीन बार लाइन टूटने से हुई पानी की समस्या, क्षेत्रवासियों ने विरोध जताकर रुकवाया काम

अजमेर, (कासं)। नगर निगम के वार्ड संख्या 38 आदर्श नगर की शालीमार कॉलोनी में इंद्रप्रस्थ गैस कंपनी लिमिटेड की ओर से डाली जा रही गैस पाइप लाइन के चलते मंगलवार सुबह कर्मचारियों ने कॉलोनी की मुख्य पानी सप्लाई की पाइप लाइन को तोड़ दिया, जिससे पेयजल सप्लाई बाधित हो गई।

पानी सप्लाई नहीं होने से आक्रोशित कॉलोनी वासियों ने विरोध स्वरूप काम बंद करवा दिया, साथ ही लाइन दुरस्त कर पानी की आपूर्ति सुचारू करने की मांग की है। पिछले सात दिनों में तीसरी बार कॉलोनी की पेयजल सप्लाई की मुख्य पाइप लाइन तोड़ी है। वहीं दोपहर बाद मौके पर पहुंचे निगम अधिकारियों ने कंपनी प्रतिनिधियों को कार्य को मापदंडों के अनुरूप करने और पाइप लाइन को दुरुस्त करने के अश्वासन के बाद काम पुनः शुरू हो सका।

नगर निगम के वार्ड संख्या 38 शालीमार कॉलोनी आदर्श नगर में इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड की ओर डाली जा रही गैस लाइन से मंगलवार सुबह कॉलोनी की पानी सप्लाई की मुख्य पाइप लाइन तोडने से पेयजल की समस्या खड़ी हो गई। नाराज कॉलोनी वासियों ने विरोध जताते हुए कर्मचारियों से काम बंद कराया और कंपनी के अधिकारियों को मौके पर बुलाने की बात कही, लेकिन कंपनी का कोई भी बड़ा अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। कॉलोनीवासियों व शालीमार कॉलोनी विकास समिति के पदाधिकारियों की सूचना पर पहुंचे

अजमेर के वार्ड 38 की कॉलोनी में पार्षद के नेतृत्व में कॉलोनीवासियों ने प्रदर्शन किया।

स्थानीय पार्षद देवेंद्र सिंह शेखावत को मौका स्थिति से अवगत कराया। लोगों का कहना रहा कि व्यवस्थित रूप से काम नहीं करने के कारण क्षेत्र के लोगों को आने-जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पार्षद देवेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड कंपनी की ओर से शहर में डाली जा रही गैस पाइप लाइन को लेकर नगर निगम से कंपनी कोई कार्याआदेश नहीं मिले हैं, लेकिन कंपनी ने डीएलबी जयपुर से चीफ सेकेट्री के कार्य आदेश प्राप्त कर लिए। चीफ सैकेट्री के आदेश की पालना नगर निगम कंपनी के कर्मचारियों से करवा रही है। लेकिन कंपनी के कर्मचारी सरकार के मापदंडों के अनुरूप काम नहीं कर रहे हैं। कार्य को लेकर जब कंपनी के ठेकेदार से बाचीत की गई तो उसने कहा कि नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि तुम्हारे पास तो कार्य आदेश है, कौन तुम्हारा काम रुकवा सकता है।

शेखावत ने कहा कि कंपनी के ठेकेदार कर्मचारियों ने लापरवाही पूर्व काम करते हुए ही कॉलोनी की मुख्य पेयजल पाइप लाइन को तोड़ दिया, कार्य के दौरान बार बार पाइप लाइन टूटने से कॉलोनी के लोगों को पिछले छह दिनों से पानी सप्लाई नहीं मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन टूटी पाइप लाइन छह घंटे तक कोई भी अधिकारी मौका देखने को नहीं आया, क्योंकि कंपनी के ठेकेदार को नगर निगम के अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है।

शॉलीमार कॉलोनी विकास समिति के पदाधिकारी रोहित कपूर ने कहना रहा कि इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड कंपनी द्वारा पिछले दस-पन्द्रह दिनों से गैस पाइप लाइन कॉलोनी में डाली जा रही है, जिसके चलते कॉलोनी में जगह-जगह गड्ढे खोदे जा रहे है, जिससे सडक़ क्षतिग्रस्त हो गई, साथ ही कॉलोनी की मुख्य पेयजल सप्लाई की पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर दिया है, जिससे पानी का संकट भी खड़ा हो गया है, कॉलोनीवासियों को पानी टेंकर मंगवा कर काम चलना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि कंपनी के पास कार्य को लेकर जो आदेश हैं, वह 22 जनवरी 2022 से 23 फरवरी 2023 तक ही थे, कंपनी के कर्मचारियों को इस समयावधि में काम चालू करना था, लेकिन कंपनी ने समय पर काम पूरा नहीं किया, आज कार्य आदेश की समय सीमा समाप्त हो गई है, लेकिन इसके बावजूद भी कार्य किया जा रहा है। जब कंपनी के कर्मचारियों से कॉलोनी की क्षतिग्रस्त सडक़ और पानी की पाइप लाइन दुरुस्त कराने की बात करते है तो जवाब मिलता है कि रेस्टोरेशन (सडक़ दुरुस्तीकरण) का पैसा नगर निगम में जमा करवा दिया गया है, जबकि निगम की ओर से कंपनी को समय पर काम पूरा करने और क्षतिग्रस्त सड़कों को पुनः बनाने की बात कही गई। कंपनी द्वारा इस प्रकार का कोई कार्य नहीं किया जा रहा है। पिछले दस से पन्द्रह दिन में कॉलोनी की पेयजल पाइप लाइन तीन बार तोड़ी है जिससे कॉलोनी में पानी की सप्लाई नहीं होने से कॉलोनी वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मनीष सेन ने बताया कि कंपनी के ठेकेदार कर्मचारियों ने कॉलोनी की सड़कों को जगह-जगह खोद दिया है तो वहीं पानी की पाइप लाइन कई बार क्षतिग्रस्त किया है, जब अधिकारियों को मौके बुलाते हैं तो इधर-उधर की बाते करते हैं, मौके पर आते नहीं है। मंगलवार को जब एक बार फिर पाइप लाइन क्षतिग्रस्त की तो स्थानीय पार्षद के साथ कॉलोनी वासियों ने एकत्रित होकर काम रुकवा दिया। उन्होंने कहा कि जब तक कंपनी के अधिकारी कॉलोनी की सडक़ व पाइप दुरुस्त नहीं करवाते तब काम नहीं करने दिया जाएगा।

इस अवसर पर पार्षद देवेंद्र सिंह शेखावत, रोहित कपूर, मनीष सेन, सुनील राका, डॉ. अनुपम भटनागर, अनुपम वर्मा, पंकज शर्मा, मनीष शर्मा, राधेश्याम वर्मा, आर खान, राधेश्याम जांगिड़, सौरभ खत्री, विनोद शर्मा, रवि, कुलभूषण पाराशर सहित बड़ी संख्या कॉलोनी वासियों ने विरोध जताया।

सूने मकान से 12 तोला सोना, 2.5 किलो चांदी सहित नकदी चोरी

चोरी का पता मकान मालिक को अगले दिन सुबह लगा, जब पड़ोसियों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ देखा

भीण्डर के हींता गांव में चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान।

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर थाना क्षेत्र के हींता गांव में गत रात्रि को एक सूने मकान में चोरों ने लाखों रूपये के सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी पर हाथ साफ करके भाग गये। चोरी का पता मकान मालिक को अगले दिन सुबह लगा, जब पड़ोसियों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ देखा। इसके बाद भीण्डर पुलिस को सूचना दी गई, जिन्होंने मौका मुआयना करके चोरों को पकड़ने के लिए कार्यवाही शुरू कर दी है।

भीण्डर के हींता गांव निवासी कैलाशचन्द पिता नाथुलाल भट्ट अपने भाई रणछोड कुमार के साथ उदयपुर रहकर काम करते हैं। यहां गांव में उनकी माता गोपीबाई रहती है। 27 फरवरी को दोनों भाई हींता आए और यहां से मां को लेकर एक सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए परिवार सहित ब्राहम्णों की हुन्दर गांव गये हुए थे। इस दौरान पीछे से सूने मकान में 27 फरवरी की रात्रि को अज्ञात बदमाश मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ घर के अन्दर प्रवेश करके कैलाशचंद, भाई रणछोड कुमार व माता गोपीबाई के कमरों में चोरी करके 12 तोला सोना, 2 किलो 500 ग्राम चांदी और 19 हजार रूपये नकद चुरा करके ले गये। बदमाशों ने अलमारियों और पेटियों में खोजबीन करके सभी सामान अस्त-व्यस्त कर दिया।

भीण्डर पुलिस थाने में कैलाशचन्द भट्ट द्वारा दी रिपोर्ट में बताया कि उनके कमरे से चोर 4 ग्राम सोने का लोंग, 5 ग्राम सोने का टीका, 5 ग्राम सोने का टीका, 250 ग्राम चांदी का कंदोरा, 200 ग्राम चांदी के दो कंदोरे, 100 ग्राम चांदी के कातरिये, चांदी की बुछडियां, 10 हजार नकद चोरी किये। इसी तरह छोटे भाई रणछोड कुमार के कमरे से 20 ग्राम सोन का बाजु, 20 ग्राम सोने का नेकलेस, 25 ग्राम सोने की चुडियां, 5 ग्राम कान टॉप्स, 20 ग्राम सोन की चैन, 5 ग्राम सोने की अंगुठियां, 2 ग्राम सोने के लोंग, 150 ग्राम चांदी के पाइजेब जोड, 150 ग्राम चांदी के पाइजब की जोड, 50 ग्राम चांदी का ब्रासलेट व 2000 रूपये नकद चोरी किये। वहीं माता गोपीबाई के कमरे से 250 ग्राम चांदी के डंक, 150 ग्राम चांदी के कातरिये, 100 ग्राम चांदी के टॉप्स, 500 ग्राम चांदी के पाइजब, 500 ग्राम के चांदी के आवला नंग, 5 ग्राम सोने के लोंग व 7000 रूपये नकद चुरा करके ले गये।

कांग्रेस की पदयात्रा का विरोध जताने आ रहे युवकों को पुलिस ने खदेड़ा

आहोर, (निसं)। कांग्रेस की हाथ से हाथ जोड़ो पैदल यात्रा का विरोध जताने आ रहे युवकों को पुलिस ने खदेड़कर दूर किया। जब कांग्रेस की पैदल यात्रा जालोर से आहोर के अंबेडकर सर्किल पर पहुंची तब चौधरी समाज के कुछ युवक नंगे बदन रैली के पास आ रहे थे। तब पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में ही रोककर आगे नहीं बढ़ने दिया। युवकों ने जबरदस्ती जाने की कोशिश की तब पुलिस ने घेरा डालकर दूर खदेड दिया। दरअसल ये युवक पिछले दिनों भाद्राजून में प्रशासन की ओर से किसानों के घर तोडे जाने से क्षुब्द थे और पैदल यात्रा में साथ आए जन अभाव अभियोग निराकरण समिति अध्यक्ष पुखराज पाराशर को हकीकत बताकर विरोध प्रकट करना चाहते थे।

जानकारी के अनुसार आज जब भाद्राजून पीड़ितों को यह मालूम हुआ कि कांग्रेस की हाथ से हाथ जोडो पैदल यात्रा आहोर आने वाली है और इस यात्रा में जिले के नेता पुखराज पाराशर सहित कई नेता आने वाले हैं तो ये लोग अपनी पीड़ा बताने के लिए आहोर पहुंचने शुरू हो गए। जब प्रशासन व पुलिस को भनक लगी की कहीं ये पीड़ित लोग कांग्रेस की रैली में खलल पैदा नहीं कर दे, इसलिए पुलिस ने पहले ही भाद्राजून व चौराई क्षेत्र से आने वाले रास्तों पर नाकाबंदी कर दी। इस दौरान भाद्राजून पुलिस ने वाहनों से आहोर आ रहे पीड़ित व चौधरी समाज के लोगों को बीच में ही रोक दिया और आहोर नहीं आने दिया। पुलिस की इस कार्रवाई का पीडितो ने विरोध भी किया। उधर किसान नेता प्रताप आंजना ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर बताया कि आहोर स्थिति चौधरी

कांग्रेस की हाथ से हाथ जोड़ों पैदल यात्रा का विरोध जताने आ रहे युवकों को खदेड़ा।

समाज छात्रावास में बिरादरी के लोग मौजूद थे। तब पुलिस ने छात्रावास को घेर लिया और हम में से किसी को भी बाहर नहीं निकलने दिया।

आंजना ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें दो घंटे तक कमरे में नजरबंद कर रखा। आंजना ने कहा कि कांग्रेस नेता सत्ता में चूर हो गए हैं। उन्हें गरीबों की पीड़ा नजर नहीं आ रही है। एक तरफ कांग्रेस हाथ से हाथ जोडने का अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर वर्षों से कांग्रेस को मत एवं समर्थन देते आ रहे चौराई क्षेत्र के कलबी समाज के दर्जनों किसानों के पक्के मकान ध्वस्त कर दिए गए हैं। वही पदयात्रा का जालोर से रवाना होने के बाद लेटा ग्राम पहुंची तो नरेगा स्थल पर कार्य करने वाले श्रमिकों को पदयात्रा में भीड़ एकत्रित करने के लिए बुलाया गया। इसके बाद सांकरणा, बीछावाड़ी चौराहे पर, गोदन, आहोर में नरेगा श्रमिकों को लाया गया। वहीं कानीवाड़ा मोड पर पदयात्रा के पहुंचने पर तीन से चार बसों में नरेगा श्रमिकों को बसों में भरकर लेकर आये। प्रदेशभर में चलाये जा रहे हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के तहत जिले के कांग्रेस पदाधिकारियो ने भाग लिया।

बीकानेर में रिमझिम बारिश

बीकानेर, (कासं.)। मौसम विभाग की भविष्यवाणी सही साबित हुई। मंगलवार शाम को बीकानेर में हल्की रिमझिम बारिश ने मौसम में ठंडक का अहसास कराया। हालांकि रिमझिम के दौरान हवाओं की गति तेज होने के कारण बारिश जैसी स्थिति नहीं बन सकी। बादलवाही के चलते तापमान में कमी आने की उम्मीद की जा रही है। दोपहर की गर्मी भी कुछ कम हो सकती है, वहीं रात भी थोड़ी ठंडी होने की उम्मीद की जा रही है।

बीकानेर में अभी अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पास चल रहा है जो मंगलवार को कम हुआ। मौसम विभाग ने बीकानेर संभाग में मंगलवार को बारिश की भविष्यवाणी की थी। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से बादलों ने बीकानेर को घेर लिया था। शाम करीब चार बजे बादलों के आने की स्पीड़ बढ़ ी। बाद में पांच बजे रिमझिम शुरू हो गई। इसी दौरान हवाओं की स्पीड भी बढ़ गई। जिससे रिमझिम तेज बारिश में नहीं बदल सकी। बीकानेर शहर के अलावा आसपास के गांवों में भी रिमझिम बारिश हुई है। गांवों में तेज हवाओं ने आंधी का रूप ले लिया था। बीकानेर में पिछले चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि न्यूनतम तापमान 16.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

नाबालिग पुत्र को बेचने वाले पिता सहित चार गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। झाड़ोल थाना पुलिस ने नाबालिग पुत्र को बेच कर उसके लापता होने की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करवाने वाले नाबालिग के पिता सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 21 फरवरी को पीड़ित अलसीगढ़ फला काड़ नाई निवासी धनराज पुत्रख चुन्नीहलाल मीणा ने जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा को परिवाद दिया कि मेरा पुत्र विदेश पुत्र धनराज मीणा मेरे साढू चतरा के वहां मेहमान गया था। 20 दिसंबर को चतरा के भाणेज शिवा व रोशन पुत्र हकरा निवासी ढडावली झाड़ोल जो सूरत गुजरात में मजदूरी करते है। वह 20 दिसंबर को मेरे साढू के घर से पुत्र विदेश को मजदूरी करने सूरत ले गए। अंतिम बार मेरे पुत्र से 12 जनवरी 2023 को मोबाईल पर बात हुई। 18 जनवरी को रोशन ने फोन कर पुत्र विदेश के लापता होने की सूचना दी।

इस पर साढू चतरा से बात की तो उसने भी विदेश के लापता होने तथा उसके एवज में दो तीन लाख रूपये लेकर पुत्र को भूलने की बात कही। इसी दौरान उसने पुत्र के सूरत से 40 किमलो मीटर दूर होने तथा होली पर आने की भी बात कही। इस पर चतरा, शिवा व रोशन पर पुत्र को बेच देने या उसे मार देने की जानकारी दी।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्तपुलिस अधीक्षक मंनजीतसिंह , पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्रसिंह के सुपरविजन में झाड़ोल थानाधिकारी श्रवण जोशी के नेतृत्व में गठित दल ने विदेश को सुरत से दस्तियाब कर शेल्टर होम उदयपुर में भर्ती करवाया था। इस मामले मे किए गए अनुसंधान में पता चला कि आरोपी धनराज ने ही अपने पुत्र विदेश को दो लाख रूपये में आरोपियों को बेचा था। लेकिन आरोपियों ने उसे रूपये देने से इनकार कर दिया था।

इस पर धनराज ने जिला पुलिस अधीक्षक को परिवाद देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इस पर थानाधिकारी श्रवण जोशी के नेतृत्व में गठित दल ने बच्चे को बेचने के मामले में चतरा पुत्र हरजी बडेरा निवासी ढढावली, रोशन पुत्र हकरा डुगरी निवासी ढढावली, सुरेश उर्फ शिवा पुत्र हकरा निवासी ढढावली तथा धनराज पत्रु चुन्नीलाल खराडी निवासी अलसीगढ नाई को गिरफ्तार किया। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

अफीम की खेती करने पर एक गिरफ्तार

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना उपखण्ड के मौलासर थाना क्षेत्र से अफीम की अवैध खेती करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार मौलासर पुलिस को मुखबिर से सुचना मिली थी कि जगदीश पुत्र लादूराम निवासी सुदरासन अवैध रूप से गांजा बेचने का काम करता है और अफीम की खेती की भी सम्भावना जाहिर की थी।

जिस पर मौलासर थानाधिकारी जसवंतदेव रलिया ने उच्चाधिकारीयों को अवगत करा मय जाब्ता कार्रवाई की। आरोपी से 45 किलो अवैध गांजा बरामद किया गया। आरोपी ने अपने खेत में तक़रीबन एक बीघा जमीन पर अवैध रूप से अफीम की खेती कर रखी थी। जिस पर हल्का पटवारी को मौक़े पर बुलवाकर पटवारी की मौजूदगी में अफीम की फसल उखाड़वाई जाकर पौधों कि गिनती करवाई गई।

अफीम के 12800 पौधे बरामद किये गए। जिनमे से कुछ पर डोडे पक चुके थे और कुछ पर फूल आए हुए थे। पुलिस ने उक्त अवैध पौधों को जब्त कर आरोपी जगदीश को गिरफ्तार कर मौलासर थाने लाया गया है। जहाँ से आरोपी को कोर्ट मे पेश कर पूछताछ की जाएगी। जांच खुनखुना थानाधिकारी बनवारी लाल को सौंपी गई है।

बीस ग्रामीण डाक सेवकों के खिलाफ मामला दर्ज

- फर्जी अंकतालिका से नौकरी हासिल की, जांच में हुआ खुलासा, मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के हाथीपोल थाना पुलिस ने फर्जी अंकतालिका जरिये ग्रामीण डाक सेवक की नौकरी पाने वाले बीस आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

प्रकरण के अनुसार भारतीय डाक विभाग उदयपुर के निरीक्षक ताजसिंह पुत्र नाहरसिंह राठौड़ ने ग्रामीण डाक सेवक पद पर चयनित अभ्यर्थियों दिनेश चन्द्र पुत्र रामस्वरूप निवासी सपोटरा करोली, रमेशचन्द्र पुत्र लक्ष्मण चरपोटा निवासी घाटोल बांसवाड़ा, मांगरीील सपोटरा करोली निवासी राजकुमारी पुत्री बतासिया मीणा, लालसौट दौसा निवासी विजेश कुमार पुत्र रेवालाल, नरसीराम पुत्र गयालाल निवासी पिपल खेड़ा हिण्डोन, लाखन पुत्र कमलेश मीणा निवासी सपोटरा, शंकरलाल पुत्र रामलाल गुर्जर निवासी चारभुजा राजसमन्द, देवीसिंह पुत्र सुआलाल निवासी करोली, जोनसिंह मीणा पुत्र रामराज मीणा निवासी सपोटरा करोली, अवधेश कुमार पुत्र राजेश मीणा निवासी सपोटरा करोली, मुनीराज पुत्र भरत मीणा निवासी सपोटरा करोली, उदयराम पुत्र भंवरलाल मेघवाल निवासी चार भुजा रासजसमन्द, जितेन्द्र पुत्र कमलेश मीणा निवासी सपोटरा करोली, रविन्द्र कुमार पुत्र सुखीराम गुर्जर निवासी श्री महावीरजी करोली, रणवीर पुत्र दयाराम निवासी झूझनू, कुलदीपसिंह पुत्र पाबुसिंह निवासी चारभुजा राजसमन्द, पोजपुर बिहार निवासी शिव प्रतापसिंह पुत्र हरिशचन्द्र, मुकेशचन्द्र पुत्र हेतराम शर्मा निवासी नंदबई भरतपुर पुष्पेन्द्र पुत्र मांगीलाल मालीवाल निवासी असोड़ा बांसवाड़ा के खिलाफ कूटरचित अंकतालिका प्रस्तुत कर नौकरी हासिल करने का मामला दर्ज करवाया।

जिसमें बताया कि ग्रामीण डाक सेवक भर्ती 20 मई 2022 की भर्ती हुई थी। उक्त भर्ती में जिले के लिए चयनित अभ्यर्थियों ने नियुक्ति प्राप्त की थी तथा नियुक्ति प्राप्त करने के बाद विभाग ने सभी ग्रामीण डाक सेवकों की अंकतालिकाओं की पड़ताल की तो ग्रामीणा डाक सेवकों की अंकतालिकाएं फर्जी होने की आशंका हुई। इस पर प्रवर डाक अधीक्षक उदयपुर जिला किशोर कुमार बुनकर की निर्देश पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच एएसआई निर्मल कुमार कर रहे है।

नवीन शिक्षा नीति आज के युवाओं में कौशल के साथ उद्यमिता का विकास भी करेगी: राज्यपाल मिश्र

कोटा विश्वविद्यालय का 9वां दीक्षान्त समारोह आयोजित

कोटा, (निसं)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विद्यार्थी भारत को वैज्ञानिक शोध और अनुसंधान में अग्रणी बनाने के लिए निरंतर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे पाठ्यक्रम तैयार करें जिससे स्थानीय ज्ञान-विज्ञान का समुचित उपयोग करते हुए विद्यार्थी भविष्य के विकसित भारत में अपना सहयोग कर सकें। राज्यपाल मिश्र ने मंगलवार को यूआईटी ऑडिटोरियम में विश्वविद्यालय के नौवें दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता की। समारोह में कैंसर अस्पताल एवं शोध केन्द्र ग्वालियर के संस्थापक निदेशक प्रो. बीआर श्रीवास्तव दीक्षान्त अतिथि रहे। राज्यपाल ने इस अवसर पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालयों से यह भी अपेक्षा है कि कौशल विकास के साथ रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के साथ हमारे युवाओं को नौकरी करने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वालों के रूप में हम तैयार करें। उन्होंने कहा कि आज के दिन ही प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. चंद्रशेखर वेंकटरमन ने रमन प्रभाव खोज की घोषणा की थी। उन्हें इस खोज के लिए पहले भारतीय और एशियाई व्यक्ति के रूप में 1930 का भौतिक विज्ञान का नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया था। विज्ञान में डॉ. वेंकटरमण की जो भूमिका रही है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित जन को सविंधान की प्रस्तावना व मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

कैंसर अस्पताल एवं शोध केन्द्र ग्वालियर के संस्थापक निदेशक प्रो. बीआर श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान में भारत नवीन शिक्षा नीति के साथ एक नए युग में कदम रख रहा है, जिसमें विद्या प्रदान करने के साथ-साथ जीविकोपार्जन कौशल प्रदान करना भी बराबर का महत्व रखेगा। नवीन शिक्षा नीति न केवल कौशल ही प्रदान करेगी, अपितु यह आज के युवा में उद्यमिता का विकास भी करेगी। मानसिक मजबूती के साथ आज का युवा अनुमानित जोखिम को सहन कर नए उद्योग स्थापित कर सकेगा।

दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2020 की परीक्षाओं में विभिन्न संकायों व विषयों में मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले व वर्ष 2020 के पीएचडी धारकों को उपाधियाँ प्रदान की गयी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कोटा में दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित किया।

वर्ष 2020 में मेरिट में प्रथम स्थान अर्जित करने वाले कला के 9, समाज विज्ञान के 9, विज्ञान के 18, वाणिज्य के 9, विधि के 3 तथा शिक्षा के 9 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक व मेरिट प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। इसी प्रकार कला के 15, समाज विज्ञान के 10, विज्ञान में 4, वाणिज्य में 4, शिक्षा के 4 विद्यार्थियों को पीएचडी उपाधियां प्रदान की गई।

कुलाधिपति पदक व प्रमाण पत्र गत 6 वर्षों में विधि संकाय में अधिकतम अंक अर्जित करने वाले पीजी विद्यार्थी वसीम राजा एवं विज्ञान संकाय में अधिकतम अंक अर्जित करने वाली यूजी विद्यार्थी नमिता मालव को दिया गया। कला, समाज विज्ञान, वाणिज्य एवं शिक्षा के प्रत्येक संकाय में 9-9 विद्यार्थियों ने तथा विज्ञान में 18 एवं विधि में 3 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। इसी प्रकार विज्ञान, वाणिज्य एवं शिक्षा के प्रत्येक संकाय में 4-4 विद्यार्थियों ने एवं कला में 15, समाज विज्ञान में 10 विद्यार्थियों ने पीएचडी उपाधियां हासिल की तथा 2 विद्यार्थियों को कुलाधिपति पदक प्रदान किए गए। दीक्षांत समारोह में वर्ष 2020 की 72347 उपाधियाँ भी दी गई।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा सिंह ने कहा कि स्थापना के समय विश्वविद्यालय प्राधिकार क्षेत्र के छह जिलों कोटा, बून्दी, झालावाड़, बारां, सवाईमाधोपुर और करौली के 37 महाविद्यालयों में 81 हजार 725 विद्यार्थी अध्ययनरत थे और वर्तमान में 229 सम्बद्ध महाविद्यालयों में तीन लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। समारोह में कुलसचिव डॉ. आरके उपाध्याय, सहित कला, समाज विज्ञान, विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा व विधि संकाय के अधिष्ठाता उपस्थित रहे।